Daily Current Affairs 13/09/2021

1. 13वां BRICS शिखर सम्मेलन

चर्चा में क्यों?

- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी** ने 9 सितंबर 2021 को वर्चुअल माध्यम से 13वें BRICS शिखर सम्मेलन की **अध्यक्षता** की।
- **शिखर सम्मेलन** का **विषय 'BRICS @ 15: इंट्रा- BRICS कोऑपरेशन फॉर कंटिन्यूटी, कॉन्सॉलिडेशन एंड कंसेन्सस'** था।
- शिखर सम्मेलन में अन्य सभी BRICS नेताओं - ब्राजील के राष्ट्रपति जाइर बोलसोनारो, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति साइरिल रामाफोसा की भागीदारी देखी गई।

प्रमुख बिंदु

प्रधानमंत्री का संबोधन:

- प्रधानमंत्री ने **इस वर्ष (2021) भारत की अध्यक्षता के** दौरान BRICS भागीदारों से प्राप्त सहयोग की सराहना की जिसने कई नई पहलों की उपलब्धि की अनुमति दी।
- इनमें पहला BRICS डिजिटल स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन; बहुपक्षीय सुधारों पर पहला BRICS मंत्रिस्तरीय संयुक्त वक्तव्य; BRICS आतंकवाद विरोधी कार्ययोजना; सुदूर संवेदन उपग्रहों के क्षेत्र में सहयोग पर करार; एक आभासी BRICS वैक्सीन अनुसंधान एवं विकास केंद्र; हरित पर्यटन पर BRICS गठबंधन, आदि शामिल थे।
- COVID के बाद वैश्विक रिकवरी प्रकिया में BRICS देशों द्वारा निभाई जा सकने वाली प्रमुख भूमिका पर प्रकाश डालते हुए, प्रधानमंत्री ने 'बिल्ड-बैक रेजिलिएंटली,

इनोवेटिवली, क्रेडिबली एवं सस्टेनेबली' के आदर्श वाक्य के तहत BRICS सहयोग को बढ़ाने का आह्वान किया।

- नेताओं ने 'नई दिल्ली घोषणा' को भी अपनाया।

नई दिल्ली घोषणा' के बारे में: घोषणा में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) सहित संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंगों के सुधारों का आह्वान किया गया।

नोट: भारत ने 2012 और 2016 के बाद तीसरी बार BRICS शिखर सम्मेलन की मेजबानी की है।

BRICS के बारे में तथ्य:

- **स्थापना:** 2009
- **देश:** ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका

यह दुनिया की प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ लाने वाला एक महत्वपूर्ण समूह है, जिसमें शामिल हैं:

- विश्व आबादी का 41%
- विश्व की कुल भूमि सतह का 29.3% का कुल संयुक्त क्षेत्र
- वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का 24%
- विश्व व्यापार का 16%

नोट: उपरोक्त डेटा विश्व बैंक डेटा (2019) पर आधारित है।

स्रोत : PIB

2. राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) 2021

चर्चा में क्यों?

- **केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान** ने **राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF)** द्वारा तैयार की गई **इंडिया रैंकिंग 2021** जारी की।

प्रमुख बिंदु

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) के बारे में:

- शिक्षा मंत्रालय द्वारा नवंबर 2015 में शुरू किए गए NIRF का उपयोग इस संस्करण के साथ-साथ 2016 से 2021 के लिए जारी इंडिया रैंकिंग के पिछले पांच संस्करणों के लिए किया गया था।
- भारत में HEI की इंडिया रैंकिंग का यह लगातार छठा संस्करण है।
- 2016 में अपने पहले वर्ष के दौरान, विश्वविद्यालय श्रेणी के साथ-साथ तीन विषय-विशिष्ट रैंकिंग, अर्थात् इंजीनियरिंग, प्रबंधन और फार्मेसी संस्थानों के लिए रैंकिंग की घोषणा की गई थी।
- छह वर्षों की अवधि में, तीन नई श्रेणियां और पांच नए विषय ज्ञान क्षेत्र में जोड़े गए, जिससे 2021 में 4 श्रेणियां, अर्थात् समग्र श्रेणी (ओवरऑल), विश्वविद्यालय, कॉलेज और अनुसंधान संस्थान और 7 विषय, अर्थात् इंजीनियरिंग, प्रबंधन, फार्मेसी, वास्तुकला, चिकित्सा, कानून और दंत चिकित्सा शामिल किए गए हैं।
- भारत रैंकिंग 2021 में पहली बार अनुसंधान संस्थानों को स्थान दिया गया है।
- **मापदंड:** ये हैं शिक्षण, सीखना और संसाधन, अनुसंधान और व्यावसायिक अभ्यास, स्नातक परिणाम, आउटरीच और समावेशिता, अनुभव।

प्रतिभागियों की संख्या: रैंकिंग के लिए कुल मिलाकर, 6,272 आवेदन इन 4,030 विशिष्ट आवेदक संस्थानों द्वारा विभिन्न श्रेणियों के तहत प्राप्त हुए थे।

इंडिया रैंकिंग 2021 की मुख्य विशेषताएं:

- **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) मद्रास** ने लगातार तीसरे वर्ष **समग्र (ओवरऑल) श्रेणी** के साथ-साथ **इंजीनियरिंग** में पहला स्थान बरकरार रखा है।
- **भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु** ने पहली बार इंडिया रैंकिंग 2021 में शुरू की गई **विश्वविद्यालय** के साथ-साथ **अनुसंधान संस्थान श्रेणी** में शीर्ष स्थान हासिल किया है।
- **प्रबंधन विषय** में **IIM, अहमदाबाद** शीर्ष पर है और **अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली** लगातार चौथे वर्ष **चिकित्सा क्षेत्र** में शीर्ष स्थान पर है।
- **जामिया हमदर्द फार्मेसी विषय** में लगातार तीसरे साल सूची में सबसे ऊपर है।
- **मिरांडा कॉलेज** ने लगातार पांचवें साल **कॉलेजों** में पहला स्थान बरकरार रखा है।
- **वास्तुकला विषय** में IIT खड़गपुर को पीछे छोड़ते हुए **IIT रुड़की** पहली बार शीर्ष स्थान पर है।
- **नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, बैंगलोर** ने लगातार चौथे वर्ष **विधि** के लिए अपना पहला स्थान बरकरार रखा है।
- **मणिपाल कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज, मणिपाल** ने **"दंत चिकित्सा" श्रेणी** में पहला स्थान हासिल किया।

स्रोत: PIB

3. **ATL स्पेस चैलेंज 202**

चर्चा में क्यों?

- **अटल इनोवेशन मिशन (AIM), NITI आयोग** ने **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)** और **केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE)** के साथ मिलकर **ATL स्पेस चैलेंज 2021** लॉन्च किया है।

प्रमुख बिंदु

ATL स्पेस चैलेंज 2021 बारे में:

- इस चैलेंज को देश के सभी स्कूलों के विद्यार्थियों, मेंटर और शिक्षकों के लिए तैयार किया गया है, जो न सिर्फ ATL लैब वाले स्कूलों के साथ, बल्कि गैर ATL स्कूलों से जुड़े हैं।
- इसमें यह सुनिश्चित किया जाना है कि कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों को एक खुला मंच उपलब्ध कराया जाए, जहां वे नवाचार कर सकें और खुद डिजिटल युग की अंतरिक्ष तकनीक से जुड़ी समस्याओं के समाधान में सक्षम हो सकें।
- इसे **वर्ल्ड स्पेस वीक 2021** के साथ श्रेणीबद्ध किया गया है, जो अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के योगदान को मनाने के क्रम में वैश्विक स्तर पर हर साल 4 से 10 अक्टूबर के दौरान मनाया जाता है।

अटल इनोवेशन मिशन (AIM) के बारे में:

- AIM पूरे भारत में नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बनाने और बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार की प्रमुख पहल है।

- AIM का उद्देश्य अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए नए कार्यक्रमों और नीतियों को विकसित करना, विभिन्न हितधारकों के लिए मंच और सहयोग के अवसर प्रदान करना और देश के नवाचार और उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र की देखरेख के लिए एक छत्र संरचना बनाना है।

प्रमुख पहलें:

- अटल इन्क्यूबेशन केंद्र
- अटल टिंकरिंग लैब्स
- लघु उद्यमों के लिए अटल अनुसंधान और नवाचार
- अटल न्यू इंडिया चुनौतियां
- अटल कम्युनिटी इनोवेशन सेंटर

स्रोत: PIB

4. भारत का पहला स्वदेशी रूप से डिज़ाइन किया गया उच्च राख कोयला गैसीकरण आधारित मेथनॉल उत्पादन संयंत्र

चर्चा में क्यों?

- **हैदराबाद स्थित BHEL** ने भारत के पहले स्वदेशी रूप से डिजाइन किए गए उच्च राख कोयला गैसीकरण आधारित मेथनॉल उत्पादन संयंत्र का प्रदर्शन किया।

प्रमुख बिंदु

मेथनॉल:

- इसका उपयोग मोटर ईंधन के रूप में, जहाज के इंजनों को बिजली देने और पूरे विश्व में स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए किया जाता है।
- मेथनॉल का उपयोग डी-मिथाइल ईथर (DME) उत्पन्न करने के लिए भी किया जाता है। यह एक तरल ईंधन है, जो डीजल की तरह होता है। मौजूदा डीजल इंजनों को डीजल की जगह DME का उपयोग करने के लिए मामूली रूप से बदलने की जरूरत होती है।

कारण:

- पूरे विश्व में अधिकांश मेथनॉल उत्पादन प्राकृतिक गैस से प्राप्त होता है।
- चूंकि भारत में प्राकृतिक गैस का अधिक भंडार नहीं है, इसलिए आयातित प्राकृतिक गैस से मेथनॉल का उत्पादन करने से विदेशी मुद्रा खर्च होती है और कभी-कभी प्राकृतिक गैस की बहुत अधिक कीमतों के कारण यह आर्थिक तौर पर प्रतिकूल भी होता है।

- इससे आगे सबसे अच्छा विकल्प भारत के प्रचुर मात्रा में उपलब्ध कोयले का उपयोग करना है।
- इस मुद्दे के समाधान के लिए, हैदराबाद स्थित BHEL अनुसंधान एवं विकास केंद्र ने 2016 में NITI आयोग की सहायता से 0.25 टन प्रति दिन मेथनॉल का उत्पादन करने के लिए भारतीय उच्च राख कोयला (जिस कोयले में राख की अधिक मात्रा होती है) गैसीकरण पर काम करना शुरू किया।
- चार साल की कड़ी मेहनत के साथ BHEL ने 1.2 TPD फ्लूइडाइज्ड बेड गैसीफायर का उपयोग करके उच्च राख वाले भारतीय कोयले से 0.25 TPD मेथनॉल बनाने की सुविधा को सफलतापूर्वक कर दिखाया।
- इस उत्पादित कच्चे मेथनॉल की मेथनॉल शुद्धता 98 से 99.5 फीसदी के बीच है।

नोट: यह NITI आयोग के 'मेथनॉल अर्थव्यवस्था' कार्यक्रम का हिस्सा है।

स्रोत: PIB

5. परिवहन एवं विपणन सहायता (TMA) योजना

सत्यमेव जयते

Department of Commerce
Ministry of Commerce and Industry
Government of India

चर्चा में क्यों?

- **वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय** ने **निर्दिष्ट कृषि उत्पादों के लिए 'परिवहन एवं विपणन सहायता (TMA)' स्कीम** को संशोधित किया है।

प्रमुख बिंदु

परिवहन एवं विपणन सहायता (TMA) योजना के बारे में:

- वाणिज्य विभाग ने फरवरी, 2019 में माल भाड़े के अंतर्राष्ट्रीय घटक के लिए सहायता उपलब्ध कराने के लिए, कृषि उत्पादों के भारतीय निर्यातकों के सामने आने वाली उच्चतर मालभाड़ा लागत के नुकसानों को कम करने के लिए 'परिवहन एवं विपणन सहायता (TMA)' स्कीम लागू की थी।
- सरकार ने वर्ष **2018** में एक **कृषि निर्यात नीति** को मंज़ूरी दी जिसका उद्देश्य वर्ष 2022 तक शिपमेंट को दोगुना करके 60 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँचाने है।

- **APEDA** भारतीय कृषि एवं खाद्य उत्पादों की निर्यात क्षमता के विस्तार की दिशा में काम करता है।
- आरंभ में यह स्कीम 01.03.2019 से 31.03.2020 की अवधि के लिए लागू थी और बाद में इसे विस्तारित कर 31.03.2021 तक के लिए प्रभावी कर दिया गया था।
- अब विभाग ने निर्यात के लिए **निर्दिष्ट कृषि उत्पादों के लिए संशोधित परिवहन एवं विपणन सहायता (TMA) स्कीम** को **01.04.2021 को या बाद में 31.03.2022 तक** के लिए प्रभावी करने को अधिसूचित कर दिया है।
- संशोधित स्कीम के तहत बढ़ी हुई सहायता से कृषि संबंधी उत्पादों के भारतीय निर्यातकों को बढ़ रही मालभाड़ा तथा लॉजिस्ट्क्सि लागत को पूरा करने में मदद मिलेगी।

APEDA (कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण) के बारे में:

- यह भारत सरकार द्वारा दिसंबर, 1985 में संसद द्वारा पारित कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण अधिनियम के तहत स्थापित किया गया था।

कृषि निर्यात नीति (AEP) के बारे में:

- AEP 2018 में कृषि निर्यात-उन्मुख उत्पादन, निर्यात प्रोत्साहन, किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्ति और सरकार की विभिन्न नीतियों और कार्यक्रमों के साथ तालमेल पर जोर देने के साथ शुरू किया गया था।
- नीति राजस्व बढ़ाने के लिए "किसान केंद्रित दृष्टिकोण" पर केंद्रित है।

स्रोत: PIB

6. उत्तराखंड, पंजाब, नागालैंड और तमिलनाडु के लिए नए राज्यपालों की नियुक्त

चर्चा में क्यों?

- राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने चार राज्यों, उत्तराखंड, पंजाब, नागालैंड और तमिलनाडु में नए राज्यपाल नियुक्त किए हैं।

प्रमुख बिंदु

उत्तराखंड:

- सेना के पूर्व उप प्रमुख **लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह** (सेवानिवृत्त) को उत्तराखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

- **नोट:** हाल ही में, भारत के राष्ट्रपति ने उत्तराखंड की राज्यपाल के रूप में बेबी रानी मौर्य का इस्तीफा स्वीकार कर लिया था।

पंजाब:

- तमिलनाडु के राज्यपाल **बनवारीलाल पुरोहित**, पंजाब के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं, उन्हें पंजाब के नियमित राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया है।

नागालैंड:

- **जगदीश मुखी**, जो वर्तमान में असम के राज्यपाल हैं, को नई नियुक्ति होने तक उनके प्रभार के अलावा नागालैंड के राज्यपाल के कार्यों का निर्वहन करने के लिए नियुक्त किया गया है।

तमिलनाडु:

- नागालैंड के मौजूदा राज्यपाल **आरएन रवि** को तमिलनाडु स्थानांतरित कर दिया गया है।

स्रोत: TOI

7. सरदार इकबाल सिंह लालपुरा ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला

चर्चा में क्यों?

- सरदार इकबाल सिंह लालपुरा ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (NCM) के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला।

प्रमुख बिंदु

- सरदार इकबाल सिंह लालपुरा पंजाब के पूर्व IPS अधिकारी थे।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (NCM) के बारे में:

- केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम 1992 के तहत NCM की स्थापना की थी।
- प्रारंभ में पांच धार्मिक समुदायों, अर्थात् **मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध और पारसी** को केंद्र सरकार द्वारा अल्पसंख्यक समुदायों के रूप में अधिसूचित किया गया था। इसके अलावा, 27 जनवरी 2014 को **जैनियों** को एक अन्य अल्पसंख्यक समुदाय के रूप में भी अधिसूचित किया गया था।

स्रोत: PIB

byjusexamprep.com